

## MARKING SCHEME

CLASS 11th

MUSIC HINDUSTANI VOCAL

<b>Q.No.</b>	<b>Questions</b>	<b>Marks</b>
<b>1</b>	D. नियमित व स्थिर आंदोलन वाली ध्वनि से	$\frac{1}{2}$
<b>2</b>	C. तार सप्तक	$\frac{1}{2}$
<b>3</b>	C. विलंबित लय	$\frac{1}{2}$
<b>4</b>	B. तरंग	$\frac{1}{2}$
<b>5</b>	पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर	$\frac{1}{2}$
<b>6</b>	मेल	$\frac{1}{2}$
<b>7</b>	C. कथन अ तथा ब दोनों सही हैं।	$\frac{1}{2}$
<b>8</b>	C. कथन अ सही है किंतु कथन ब गलत है।	$\frac{1}{2}$
<b>9</b>	A. अ 2, ब 4, स 3, द 1	$\frac{1}{2}$
<b>10</b>	B. अ 2, ब 3, स 4, द 1	$\frac{1}{2}$
<b>11</b>	सत्य	$\frac{1}{2}$
<b>12</b>	असत्य	$\frac{1}{2}$
<b>13</b>	रूपक ताल	$\frac{1}{2}$
<b>14</b>	डैश (----)	$\frac{1}{2}$
<b>15</b>	राग जौनपुरी	$\frac{1}{2}$
<b>16</b>	पंडित शारंग देव	$\frac{1}{2}$
<b>17</b>	चतुर पंडित	$\frac{1}{2}$
<b>18</b>	स्वरों व वर्णों की वह सुंदर रचना जो श्रोताओं के मन को अपनी ओर आकर्षित कर ले, राग कहलाती है।	$\frac{1}{2}$
<b>19</b>	नाद का जाति गुण	$\frac{1}{2}$
<b>20</b>	श्रोताओं के मन को आनंदित करना।	$\frac{1}{2}$
<b>21</b>	<p style="text-align: center;"><b>Do any 4 questions.</b></p> (i) निबद्ध गान की परिभाषा <span style="float: right;"><math>\frac{1}{2}</math>अंक</span> ii) अनिबद्ध गान की परिभाषा <span style="float: right;"><math>\frac{1}{2}</math>अंक</span>	<b>2</b>

	(iii) निबद्ध तथा और अनिबद्ध गान में अंतर (iv) निबद्ध तथा अनिबद्ध गान के उदाहरण	½अंक ½अंक	
<b>22</b>	अलंकार का आरोह अलंकार का अवरोह	1 अंक 1 अंक	<b>2</b>
<b>23</b>	ताल तीनताल का शास्त्रीय परिचय। ताल तीनताल की 1 गुण ताल तीनताल की 2 गुण।	1 अंक ½अंक ½अंक	<b>2</b>
<b>24</b>	i) लोक संगीत शाब्दिक अर्थ व परिभाषा ii) लोक संगीत की मुख्य विशेषताएं अथवा संक्षिप्त वर्णन	1 अंक 1 अंक	<b>2</b>
<b>25</b>	i) विलंबित ख्याल का समय व आविष्कारक ii) विलंबित ख्याल की विशेषताएं।	1 अंक 1 अंक	<b>2</b>
<b>26</b>	(1) राग आसावरी अथवा राग जौनपुरी के ठाठ, जाति, वादी, संवादी, सम प्राकृतिक राग, चलन, न्यास के स्वर, गायन समय, वर्जित स्वर, अन्य स्वर इत्यादि। ii)राग आसावरी अथवा राग जौनपुरी के आरोह अवरोह तथा पकड़। iii)राग आसावरी अथवा जौनपुरी के ख्याल की स्थाई की स्वरलिपि iv)राग आसावरी अथवा राग जौनपुरी के ख्याल के अंतरे की स्वरलिपि	1 अंक 1 अंक 2 अंक 2अंक	<b>6</b>
<b>27</b>	1. बैजू बावरा अथवा पंडित विष्णु नारायण भातखंडे का जन्म, समय, स्थान, परवरिश, शिक्षा, घराना, गुरु का नाम, शिष्यों के नाम इत्यादि। 2. गायन की विशेषताएं व अन्य उपलब्धियां। 3. संगीत के क्षेत्र में इनका योगदान।	2 अंक 2 अंक 2 अंक	<b>6</b>
<b>28</b>	संगीत रत्नाकर का उद्भव काल रचनाकार, विवरण संगीत से संबंधित सामग्री, विषय वस्तु अन्य	2 अंक 2 अंक 2 अंक	<b>6</b>